March 2014

TODAY

(Newsletter of Eurasia Reiyukai)

No. 2, Vol. 9

हमारी मुमा एई होऊ तोकु जेन न्यो जी का १५वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह २४ मार्च २०१४ के दिन सम्पूर्ण यूराशिया रेयूकाई मिहाता शाखा एवं सम्पूर्ण यूराशिया रेयूकाई समाज विकास केन्द्रों में आयोजित करने का मौका पाकर अपने-अपने सदस्यों के साथ अपनी मिहाता शाखा एवं नजदीक के समाज विकास केन्द्र में सहभागी होकर मुमा जी के प्रति कृतज्ञता लौटायें।

महागुरू किमी कोतानी जी का ४४वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह एवं यूराशिया रेयूकाई भव्य मिलन समारोह संपन्न

महागुरू किमी कोतानी जी का ४४वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह ९ फरवरी २०१४ के दिन यूराशिया रेयूकाई समाज विकास केन्द्र धरान में यूराशिया रेयूकाई मिहाता, केन्जीचुकी मिहाता एवं सम्पूर्ण मिहाता शाखाओं की मिहाता विराजमान कराने का मौका पाकर महागुरू जी के प्रति कृतज्ञता लौटाने का मौका प्राप्त हुआ। समारोह में यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष दंपती की उपस्थिति के साथ ही जापान, भारत और नेपाल देश के विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित हुए होजाइन से उपर के १०४२ जन लीडर्स एवं ४४ जन बच्चों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पहले चरण के कार्यक्रम में महागुरू किमी कोतानी जी का ४४वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह तथा दूसरे चरण के कार्यक्रम में यूराशिया रेयूकाई का भव्य मिलन समारोह संपन्न हुआ। उक्त महान् समारोह में संस्थापक अध्यक्ष जी द्वारा सहभागियों को मार्गनिर्देशन प्रदान किया गया। मार्गनिर्देशन में संस्थापक अध्यक्ष जी ने कहा कि महागुरू किमी कोतानी जी केवल रेयूकाई के ही नहीं, सम्पूर्ण पृथ्वी की महाओन्सी हैं। आज का स्वयं बनने की बात नहीं भूलें, ऐसा उन्होंने मार्गनिर्देशन प्रदान किया। उक्त महान् समारोह शिबुचो श्री भीम बहादुर बस्नेत के संयोजन में सम्पन्न हुए।

उस दिन यूराशिया रेयूकाई की सम्पूर्ण मिहाता शाखा समाज विकास केन्द्र और देश अनुसार के कार्यालयों में भी महागुरू जी का ४४वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह २३९६ जनों की सहभागिता में आयोजित करने का मौका प्राप्त हुआ।

हमारे गुरू आन् च्यू ग्यो तोकु जेन् शी जी का ९वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह संपन्न

२४ फरवरी २०१४ को हमारे गुरू आन् च्यू ग्यो तोकु जेन्शी जी का ९वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह यूराशिया रेयूकाई की सम्पूर्ण मिहाता शाखा, समाज विकास केन्द्र, यूराशिया रेयूकाई बांग्लादेश और म्यानमार में ३, १६९ लोगों की सहभागिता में संपन्न करने का मौका प्राप्त हुआ।

इसी क्रम में यूराशिया रेयूकाई प्रधान कार्यालय सिलीगुड़ी, यूराशिया रेयूकाई १८वीं शाखा व २१वीं शाखा के संयुक्त आयोजन में समाज विकास केन्द्र सिलीगुड़ी के गोहोजा हॉल में केन्जीचुकी मिहाता, १८वीं शाखा व २१वीं शाखा की मिहाताओं को विराजमान कराकर संपन्न किया गया। यूराशिया रेयूकाई समाज विकास केन्द्र, सानेपा में यूराशिया रेयूकाई की मिहाता और सम्पूर्ण मिहाता शाखाओं में अपनी-अपनी मिहाता शाखा की मिहाता विराजमान कराकर हमारे गुरू जी का पुण्यतिथि स्मरण समारोह संपन्न करने का मौका प्राप्त हुआ।

यूराशिया रेयूकाई २१वीं शाखा की मिहाता जिम्मेवार शिबुचो श्रीमती देवकी राईजी की अपील

द्वय महागुरू, द्वय गुरूजी, यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्षजी, मुमाजी की महान् दया एवं कृपा से कल्पौं-कल्प तक भेंट न हो सकने वाली महान् रेयूकाई शिक्षा के साथ भेंट होकर अभ्यास करने का महान् मौका प्राप्त करने के प्रति अंतरहृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

यूराशिया रेयूकाई २१वीं शाखा का जन्म भारत देश के पश्चिम बंगाल में २४ फरवरी २००२ को हुआ और उस दिन से मिहाता के संदेशवाहक के रूप में अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। यूराशिया रेयूकाई २१वीं शाखा के संग कर्म का सम्बन्ध रहने वाले सम्पूर्ण सदस्य एकजुट होकर, रोज-रोज सीखने की भावना, कृतज्ञता की भावना एवं क्षमा की भावना लेकर अपने जन्म के साथ लेकर आयी जिम्मेवारी और कर्तव्यों को पूरा करने के लिए 'चलें मिलियन, तुरन्त कार्यान्वयन' को लागू कर रहे हैं। यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन ''जो कहता है, उसे कार्यान्वयन कर परिणाम दिखाना पड़ेगा। अपने लिए ही नहीं, बल्कि इस संसार में जीवित रहने वालों के लिए समय का प्रयोग करना है। उत्साह लेकर महायान की भावना और कृतज्ञता की भावना लेकर कार्यान्वयन करें'' को आत्मसात कर सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का कार्यान्वयन करने के लिए कर्म का सम्बन्ध रहने वाले क्षेत्रों में जाकर मिचिबिकी का पुण्यफल संचित करने का महान् मौका प्राप्त कर रही हूँ।

अपने घर-परिवार, अपने रहने वाले समाज और देश में एक दिन भी हो सके शीघ्र शांति की स्थापना कर सकें, सोकाइम्यो को स्वागत करने का मौका पाकर अधिकाधिक पूर्वजों को बचाना ऐसा सोचकर पूर्वजों का स्वागत कर उनमें बोधिआत्मा जागृत हो सके, इसके लिए दैनिक सूत्रपाठ चढ़ाने, दोनों हाथ जोड़कर विश्वशांति हो सके, अपने रहने वाले देश में शांति व समृद्धि आए, इस तरह की कामना करने वाले व्यक्तियों का ज्यादा से ज्यादा निर्माण करते जाएं, ऐसा महान् लक्ष्य और उद्देश्य लेकर रेयूकाई शिक्षा को एक दिन भी हो सके शीघ्र स्वयं कार्यान्वयन करने का मौका पाकर सदस्यों को भी कार्यान्वयन कराने का महान् मौका प्राप्त करा रही हूँ।

मुस्कान अभियान को लागू कर अपने रहने वाले क्षेत्र को मुस्कानयुक्त बनाकर मिचिबिकी मिलन, महिला मिलन, युवा मिलन व बाल मिलनों का आयोजन कर पूर्वजों को केन्द्रबिन्दु बनाकर जीवनयापन कर अभ्यास करने का महान् मौका प्राप्त कर रही हूँ। क्यों महान् रेयूकाई शिक्षा के साथ भेंट कर अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ, इस बात को महसूस कर बोधिसत्व की भावना जागृत कर औरों की खुशी की कामना कर आँखों से दिखने वाले संसार एवं आँखों से न दिखने वाले संसार को बचाने के लिए कृतज्ञता की भावना लेकर एकजुट होकर यूराशिया महाद्वीप को बचाना है, आपलोग भी बचाएं।

- देवकी राई, मिहाता जिम्मेवार शिबुचो, यूराशिया रेयूकाई २१वीं शाखा, सिलीगुड़ी, भारत

यूराशिया रेयूकाई मेरा गौरव